ORIGINAL RESEARCH PAPER

Arts

KEY WORDS:

सूचना – प्रौघोगिकी के सामाजिक प्रभाव

प्रो–कैलाश सोलंकी समाजशास्त्र (समाजशास्त्र विभाग) शासकीय आदर्श महाविद्यालय हरदा जिला हरदा

जनसंचार के माध्यम संस्कृति एवं समाज मे क्रांति लाते है और विज्ञान , ईलेक्ट्रोनिक ज्ञान का विश्व स्तर पर बोध प्रदान कर रहा है पश्चिम के विकसित समाज कम्प्युटर नेटवर्क के साथ जुड़कर "टेकनेट्रानिक" संस्कृति मे रूपांतरित हो रहा है विशिष्ट संस्कृतिया और समुदाय बहु स्थानिक, बहु जातिया और बहुसंस्कृतिक संकुल के भीतर समाहित हो रहा है तथा दुसरा महत्व के हो रहा है। प्रैस,रेडियो,फिल्,टेलिविजन,साइबरनेटिक और इन्फॉर्मैटिक्स, आज सम्पूर्ण वेशविक संबंध संकुल का नियंत्रण कर रहा है सूचना प्रौघोगिकी और दूर संचार की व्यवस्था के कारण अंक और अक्षर संकेतो के साथ जुड़कर मानव ज्ञान व्यापक स्तर पर बड़ा है टेक्नोलोजी और इलेक्ट्रोनिक संकेतब्रद्ध संरचना प्रस्तुत कर जो कम्प्युटर वेबसाइट की फ्लॉपी मे अवस्थित है सूचना–प्रौघोगिक क्रांति वैश्वीकरण की ही देन है।

वेबर ने अपने शब्दो मे कहते है कि संचारकीय तरकीकरन अर्थात समालोचनात्मक तार्किकता का स्थान गोण होता जा रहा है, उद्देश्यि तार्किक, अनुबन्धामत्मकक नेतिकता पर आधारित है

मेकाइवर और पेज कहते है कि हमारे युग कि सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटना पूंजीवाद नहीं है बल्कि यंत्रीकरण है जिसका आधुनिक पूंजीवाद केवल एक उपफल या गोण उत्पादन है अब हमे अनुभव हो रहा है कि यंत्रीकरण ने हमारे जीवन के तरीको विचारो, सामाजिक, संबंधो, परिस्थितियो, भूमिकाओ तथा समस्त रूप से सामाजिक संरचना को बदलने मे महत्वपूर्ण योगदान है।

वर्तमान युग सूचना – प्रौघोगिकी का युग है आदिम समाज , क्रषक समाज, ग्रामीण समाज , औधोगिक समाज के बाद आज का प्रौघोगिकीय समाज के नाम से जाना जाता है प्रौघोगिकी प्रत्येक समाज, प्रत्येक युग मे रहा है चाहे सरल समाज हो या जटिल, सभ्य हो या असभ्य, परंपरागत हो या आधुनिक, सभी की अपनी एक प्रौघोगिकी होता है, जो समाज की आवष्कताओ की पूर्ति मे सहयोग प्रदान करती है।

प्रौद्योगिक का अर्थ व परिभाषाः– प्रौघोगिकी कार्य करने की एक प्रणाली है प्रौघोगिकी प्रक्रति के साथ मनुष्य के व्यवहार करने के ढंग एवं उत्पादन की उस प्रक्रिया को बताते है जिससे मनुष्य जीवित रह सके तथा अपने सामाजिक संबंधो और मासनिक धारणाओ निर्धारित करता है।

लेपियर के अनुसार – प्रौघोगिकी से आशय उन विधियो,ज्ञान,दक्षता से है जिसकी मदद से मनुष्य भौतिक और जेविकी तथ्यो को नियंत्रित करके उपयोग मे लाता है।

आँगवर्न के अनुसार ," प्रौघोगिकी का अर्थ किसी भी प्रविधि से है , जिसमे विभिन्न प्रकार के उपकरण , ज्ञान की शाखाए आती है, जिसके आधार पर निर्माण कला विकसित होती है" ।

प्रौघोगिकी के सामाज पर प्रभाव :– प्रौघोगिकी और सामाजिक परिवर्तन में प्रत्यसक्ष एवं गहरा संबंध होता है। हाथो से कार्य और मानवीय उर्जा के लम्बेव समय के बाद मनुष्य कत्रिम उर्जा या मानव निर्मित भाप के इंजन,मशीनीकरण के साथ साथ व्यापपक पैमाने पर सामाजिक,आर्थिक,राजनैतिक परिवर्तन हुए। संचार की अनेक प्रविधियां जैसे– तार टेलीफोन,रेडियो,टेलिविजन,आदि से समाज में सामाजिक संबंधो के कारण एवं सिनेमा या चलचित्रों से लोगों में विचारो, विश्वासों मनोव्रतियों को बदलने के साथ पारिवारिक,सामाजिक,एवं जातिगत संबंधो को प्रभावित किया है। सरल सामाजिक संबंध जटिल आर्थिक सम्बधियों मे परिवर्तित होकर व्यसक्तियो मे यंत्रों पर निर्भर होने लगे है।

संयुक्त परिवार और जाति का महत्व छटकर एकल परिवार एंव एकल परिवार एंव एकाकी रहन सहन कि महत्वकता बढी।

प्रढत की जगह व्यक्तिवादिता होकर मानव जीवन यंत्रवत है। सामाज में प्राथमिक सम्बंतधो की जगह द्वितियक संबंध मे परिवर्तित होकर समाज मे प्रतिस्प घा को बढावा। वर्ड वाइड वेब ने ज्ञान के स्वरूप और स्वबभाव मे क्रांति लाकर व्यापपक पैमाने पर ज्ञान के भण्डार मे क्रांति ला दी। सूचना प्रौद्योगिकी के व्दारा शिक्षा मे परिवर्तन से शिक्षा के क्षैत्र मे नवाचारों की वाहक बनी। जैसे :& –दृश्य–श्रव्य के माध्यम से दूरदर्शन पर प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों ने दूरस्थ बैठे विघार्थियों को आनलाइन वेबकॉस्टिंग एंव वर्चुअल कक्षाओ के द्वारा ज्ञान को अधतन करने मे सक्षम हो रहा है।

ग्रामीण दूरसंचार :– गावों में शैक्षिक सामाजिक,आर्थिक विकास के द्वारा लोग अब ग्रामिण सार्वजनिक टलीफोन या मोबाइल हो गये है। रेडियो प्रसारण का ग्रामिण क्षैत्रों में विस्ताकर के साथ किसान रेडियो से कृषि संबंधो जानकारी प्राप्त कर रहे है। आज दूरदर्शन पर कृषि दर्शन और डीडी किसान चौनल का प्रसारण 2015 से प्रारंभ हुआ और अब भारत सरकार द्वारा संचालित किसान पोर्टल,एम पोर्टल पर किसान सुविधा फसल बीमा एंव पशु पोषण एप्पा,वन ओलावृष्टि एप, एग्रो मार्केट एप आदि के साथ किसान कालॅ सेंटर पर टोल फ्री नन्बर 1800–180–1551 पर जानकारी किसान ले रहे है।

सूचना प्रौघोगिक एवं नगरीय विकास :– नगरीय विकास में आधुनिक स्मोर्ट शहरों की रणनीति का आधार भी सूचना संचार प्रौघोगिकी है। इंटरनेट के द्वारा लोगो तक पहुॅच बनाकर शासन और लोकतांत्रिक प्रकिया मे पारदर्शिता के लिए धीरे–धीरे ई–ऑफीस प्रचलन कर जनसहभागीता सुनिश्ति करने जा रहे है ।अब डिजिटल डेमोक्रेसी का जो रूप हमारे समाने है। उसकी शुरूआत इलेक्ट्रा निक वॉटिग ई–कंसल्टेरशन,ई–रिप्रंजेंटेटिव्स ,आनलाईन पोलिंग,

ई–पिटीशन आदि सुविधाऍ संभव हो गयी है।

जीवन स्तंर मे परिवर्तन :– सूचना प्रौघोगिकी के द्वारा व्यिक्ति अब दैनिक जीवन से संबंघित कार्यो को सरलता से कर रहे है। – ई–रिजर्वेशन,टेलीफोनख् बीमा, बिजली बिलों का भुगतान घर बैठे ऑनलाइन भुगतान कर रहे है। ई–मेल निति के द्वारा देश के किसी कौने मे सम्पीर्क कर जानकारी प्रेषित कर रहे है।

वैयक्तिक प्रभाव :– व्याक्ति की कल्पनाशीलता और जिज्ञासा के विस्तातर के साथ–साथ समाजिक,सांस्कृ तिक,आर्थिक,राजनीतिक, गतिशीलता मे नई– नई आयामों की वृद्धि हुई। व्यसक्ति में अपने परिवेश और राज्य नियंत्रित संस्थाओ के संबेध में चेतना का विकास एवं मौलिक अधिकार,नागरिक अधिकार, मानव अधिकारो, स्त्रीत– पुरूष समानता, जाति समानता, धर्म–निरपेक्षता जैसे मुद्दों पर व्यमक्ति जागरूक बनना।

समाजिक प्रभाव :– सूचना प्रौद्योगिकी के कारण संवेदनशीलता एवं गतिशीलता के फैलाव के साथसामाजिक समानता, अंधविश्वास, असपृथ्यीता, निरक्षरता, सांप्रदायिकता, जातिवाद, भ्रण–हत्यु, दहेजप्रथा, सतीप्रथा, लैंगिक गैर बराबरी जैसी मनुष्यध विरोधी प्रवतियो के विरूद्ध जागरूक होना। सांस्कृजतिक और राष्ट्रीय अस्मिताओं की चेतना फैलाना एवं पर्यावरण प्रदुषण, स्वतच्छव पेयजल और आवास व्यसवस्थाओ, समान शिक्षा बाल अधिकार, महिला उन्मुीलन अधिकार जैसे मुद्दो पर विशेष फोकस किया गया है।

सूचना प्रौघोगिक का आर्थिक एवं राजनीतिक प्रभाव :– आर्थिक विकास को प्रोत्साहन के साथ नवीन आर्थिक संसाधनों, वाणिज्यिक गतिविधियो को महत्वरू, औद्योगों का ग्रामीण क्षैत्रो में प्रसार, घरेलु उद्योग, हथकरघा उद्योगों का प्रचार, किसान और श्रमिको का जीवन दशाओ के प्रति जागरूकता का विस्तार हुआ है।

सूचना प्रोद्योगिकी के द्वारा समाज में सिविल सोसायटी की भूमिका के प्रति जागरूकता, राष्ट्रीय और क्षैत्रीय महत्वि के मुद्दों, संवैधानिक संस्थाभओ व राजनीतिक संगठनो में भागीदारी के लिए जनता को प्ररित करना।

सूचना पौद्योगिक के लाभ :– सूचना और संचार प्रौद्योगिक ने मनुष्य के जीवन के जीवन के हर क्षैत्र में क्रांति ला दी है। भौतिक दृष्टि से सबल के साथ–साथ दैनिक कार्यकलाप सरल एवं उनमें कार्यक्षमता में विकास हुआ । विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2010 तक प्रति हजार व्य क्ति 4 कम्यू त कटर और वर्ष तक प्रति दस हजार लोगों के बीच कई इंटनेट कनेक्शान थे। प्रौद्योगिक से समाज में औद्योगीकरण, आधुनिक पुॅजीवाद व नगरीकरण का आरम्भ हुआ। संचार के कारण महिलाओं को स्वगतन्त्रता एवं गतिशीलता बढ़ाने के साथ–साथ समान्य जीवन का स्तर भी उन्नत किया है। आवागमन के अन्नंत साधन से स्थानीय दूरी में कमी, समाज में श्रम विभजन के साथ–साथ विशेषीकरण का महत्व बढ़ा है। सूचना पौद्योकगीकी ने ई–कॉमर्स, ई– प्रेस्क्रिप्न् स ,ई–आरक्षण, ई–शॉपिंग,ई–पेमेंट जैसे आई.टी सेवाओ की शुरूआत कि है।

ई–गवर्नेस और सूचना प्रौद्योगिकी : – सूचना टेक्नो,लॉजी युग ने ज्ञान पर आधारित जो द्वार खोले है, उसका उत्साहजनक परिणाम ई–गवर्नेस की अवधारणा के रूप मे उभरकर सामनेआया है। निश्च य रूप से लोकतान्त्रिक सरकार के कामकाज के हर स्त र पर जनता और प्रशासन के बीच आने वाली बाधाओं को दूर करने का सर्वोतम उपाय है। कर्नाटक,केरल,आन्ध्रकप्रदेश,तमिलनाडु, महाराष्ट्र,और मध्यू प्रदेश ने अपने प्रशासनिक तन्त्र को सुलभ बनाकर ई–गवर्नेस परियोजनाएं

प्रारम्भ् की है। दिसम्बार 2002 में तत्कातलीन सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री प्रमोद महाजन ने देश के सभी राज्योंम के एक–एक जिले मे ई–गवर्नेस परियोजनाएं लागू करने के लिए 309 करोड़ रूपये लागत की महत्वांकांक्षी योजना का उद्घाटन किया।

ई–गवर्नेस के द्यारा सभी विभगों से समन्वाय स्थापित कर तकनीकी समस्या के निराकरण के एक मील का पत्थर साबित हुआ है। ई–गवर्नेस के द्वारा तकनीकी सहायता के रूप मे जैसे जैम पोर्टल से सामान खरीदना , एम मित्र , जन मित्र ,लोक सोवाओ द्वारा संचालित सेवाओं,ई–ऑफिस , फसल बीमा, लोकसभा, विधानसभा, नगरीय–विकास,पंचायत चुनाव में ऑनलाइन प्रक्रिया में सूचना, प्रौद्योगिकी विभाग से समन्वय कर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी और काल सेंटर :– **वर्तमान** समय में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाए है। सूचना तकनीक सधारित डाटकॉम के पश्चात काल सेन्टर उद्योग एक बड़े व्योवसाय के रूप में नई कॉल सेंटर आधारित सेवा है। जिन वस्तुओं के व्यवसाय के लिए कॉल सेन्टर अधिक अपयोग हो रहा है जैसे – मेडिकल ट्रॉसक्रिप्शहन, वेबसाइट कन्टेंस तैयार करना। बैंक ऑफिस प्रबन्धन, वितिय सेवाओं,क्रेडिट कार्ड , कम्प्यूटर साफटवेयर एवं हार्डवेयर,होटल पर्यटन उद्योग, एयरलाइन्स, इन्टरनेट आदि के क्षैत्र में प्रत्यक्ष विपणक से जूड़ी कंपनीयो के लिए कॉल सेन्टर उपयोगी है। जिससे कई लोगो को रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतिया का एवं अवगुण :– सूचना प्रौद्योगिकी की दृषिसे भारतीय मस्तिक को पूरी दूनिया मे सर्वश्रेष्ठ संज्ञा की दी जाती है। वर्ष 2000 तक भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग दुरी दुनिया में बहुत में बहूत तेजी से आगे लगातार बड़ रहा था लेकिन 2001 की शुरूआत के साथ अमेरिका में आर्थिउक मन्दीम में भारत का कम्प्यूटर पीढी को अभी ओर विकसित कर अमेरिका की आईबीएम जैसे कम्पनीयॉ भारत के साथ पेशकश करने को तैयार है। लेकिन इस उँचे सपने का साकार होना सरल नही है। प्रोद्योगिकी से बेरोजगारी में वृद्धि को रोकने के प्रयास करना चाहिए।

सुचना प्रौद्योगिकी से समाज में प्रतिस्पर्धा बढने से अपराध भी बढ़ने लगे है। और वयक्तिवाहिता, सामुहिकता का महित्वे कम, पारिवारिकता की कमी, गांव से शहरो की ओर पलायन करने से शहरो में आवास से गन्दीम बस्तियों का निर्माण, कम्प्यूटर अशिक्षित साइबर क्राइम, इन्टोरनेट पर आज युग में प्रौद्योगिकी की नई–नई तकनीकों को विकसित करने वाले लोग समाज कल्याण मे नही बल्कि बाजार को विकसित करने मे रूचि रखते है।

प्रौद्योगिकी समाज में परिवर्तन कर एक प्रमुख साधन है। मनुष्य की आवश्सककताओं की पूर्ति प्रौद्योगिकी। तकनीकी से ही होती है, आदिम युग से वर्तमान युग तक व्यक्ति के विकास का साधन प्रौद्योगिकी ही रहा है। प्रौद्योगिकी मे हर युग,काल,हर समाज,सभ्यता के विकास में महत्वकपुर्ण भूमिका है। वर्तमान में शिक्षा, संचार सुविधा, चिकित्सा, आवागमन, भवन,कृषि, प्रशासन, खेल,मनोरंजन एवं सामाजिक, आर्थिक, राजनितिक, सांस्कृतिक क्षैत्रो में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

सन्दजर्भ रू–

1) गुप्तास एवं शर्मा – समाजशास्त्रम साहित्यरभवन पब्लिकेशन,200
2) राम आहुजा –सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन, 2008
3) प्रो.बनवारी लाल प्रजापति – समाजशास्त्र,उपकार प्रकाशन, आगरा, 2000
4) Elliat and merrial : Social Disorhanizations,1950
5) डॉ.ध्रुव कुमार दीक्षित – शिवलाल अग्रवाल एण्डत कम्पपनी 2008
6) Becker,Howard : Social problems; A modern Apprach-